वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष:5 अंक: 338 | शुक्रवार 15 मई 2026 | दैनिक ई-पेपर

International Day of Families

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

'वन्दे गंगा' जल संरक्षण जन अभियान 25 मई से होगा शुरू

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा करेंगे अभियान का शुभारंभ, प्रदेशभर में 5 जून तक चलेगा अभियान, मुख्य सचिव की अध्यक्षता में तैयारियों को लेकर अहम बैठक

मुख्य सचिव ने 12 दिवसीय अभियान के लिए उच्चाधिकारियों को दिए दिशा-निर्देश

जल संरक्षण करने और प्लास्टिक उपयोग कम करने की आमजन लेंगे शपथ

जयपुर. शाबाश इंडिया

प्रदेश में भू-जल स्तर और जल संचयन में जन भागीदारी बढ़ाने के लिए 25 मई (गंगा दशमी) से 'वंदे गंगा' जल संरक्षण जन अभियान का शुभारंभ होगा। अभियान की शुरूआत मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा सीतापुरा स्थित जयपुर एग्जीबिशन एंड कन्वेंशन सेंटर से करेंगे। प्रदेशभर में अभियान 5 जून तक चलेगा। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास की अध्यक्षता में गुरुवार को अभियान की तैयारियों के लिए शासन सचिवालय के चिंतन सभागार में महत्वपूर्ण बैठक हुई। उन्होंने सभी विभागों के उच्चाधिकारियों को अभियान की व्यापक एवं प्रभावी क्रियान्विति सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अभियान को जनआंदोलन का स्वरूप देकर प्रत्येक जिले में व्यापक जनभागीदारी सुनिश्चित की जाए। जल संरक्षण, वर्षा जल संचयन, पारम्परिक जल स्त्रोतों के संरक्षण एवं पर्यावरण संवर्धन के कार्यक्रमों को मिशन मोड पर करें, जिससे अभियान का सकारात्मक प्रभाव प्रत्येक व्यक्ति तक पहुंचे। सभी विभाग आपसी समन्वय से प्रत्येक ग्राम पंचायत एवं नगरीय निकाय तक कार्ययोजना बनाकर गतिविधियों का संचालन सुनिश्चित करें। अभियान में श्रमदान, स्वच्छता गतिविधियां, पौधारोपण, जल स्त्रोतों की सफाई, प्रभात फेरियां, जागरूकता रैलियां एवं सामाजिक सहभागिता आधारित कार्यक्रम आयोजित कराएं। उन्होंने कहा कि स्वयंसेवी संगठनों, शिक्षण संस्थानों, सामाजिक संगठनों, युवा समूहों तथा आमजन की सक्रिय भागीदारी अभियान की सफलता का आधार बनेगी। उन्होंने 'हरियालो राजस्थान' की तैयारियां शुरू करने के भी निर्देश दिए। बैठक में बताया गया कि ग्लोबल राजस्थान एग्रीटेक मीट-2026 के राज्य स्तरीय समापन समारोह के साथ 'वंदे गंगा' जल संरक्षण जन अभियान-2026 का राज्य स्तरीय शुभारंभ समारोह होगा। इस अभियान में जल संसाधन विभाग द्वारा नदी, वृहद एवं मध्यम बांध, सरोवर, नहरों की पूजा, नहरों एवं खालों की जल उपयोगिता संगम एवं किसानों के सहयोग से साफ-सफाई, जल शक्ति अभियानः कैच द रैन अंतर्गत कार्यक्रम, जल संचय जन भागीदारी कार्यक्रम, नए कार्यों का शिलान्यास, भूमि पूजन एवं पूर्ण कार्यों का अवलोकन व लोकार्पण जैसे विभिन्न कार्य होंगे।

हरियालो राजस्थान अंतर्गत पौधारोपण कार्यों की अग्रिम तैयारी

अभियान अंतर्गत वंदे गंगा प्रभात फेरी, वंदे गंगा कलश यात्रा, पीपल पूजन व पौधारोपण, ईको फ्रैंडली स्थानीय उत्पादों की प्रदर्शनी एवं विक्रय, जल संरक्षण एवं जन भागीदारी के प्रति जागरूकता के लिए नुक्कड़ नाटकों का आयोजन, संकल्प कार्यक्रम, नवीन अमृत सरोवर का पूजन किया जाएगा। हरियालो राजस्थान अंतर्गत पौधारोपण कार्यों की अग्रिम तैयारी, औरण व चारागाहों का चिन्हिकरण, कर्मभूमि से मातृभूमि अभियान के तहत कार्यों का अवलोकन एवं नवीन स्वीकृति, वीबी जी राम जी योजना अंतर्गत जल संरक्षण जैसे कार्य किए जाएंगे। अभियान में 26 मई को विशेष ग्राम सभाएं होंगी, जिनमें नवीन कार्यों का अनुमोदन, स्वीकृतियां जारी करने के साथ ग्रामवासियों को अभियान का संकल्प दिलाया जाएगा। इस अभियान में गौशाला, पशु चिकित्सालय, दुग्ध संघ, रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड, कृषि उपज मंडी समिति, सार्वजनिक स्थानों, पेयजल स्त्रोतों के आसपास स्वच्छता अभियान चलाए जाएंगे। साथ ही, विभिन्न संगठनों के साथ जल संरक्षण पर विचार संगोष्ठियां होंगी। जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग द्वारा जल परीक्षण अभियान भी चलाया जाएगा। अभियान के दौरान उद्योग एवं वाणिज्य विभाग की ओर से औद्योगिक संस्थानों, निजी एवं राजकीय कार्यालयों को ग्रीन ऑफिस इनिशियेटिव, एनर्जी ऑडिट एवं ग्रीन बजट के सम्बंध में जानकारी दी जाएगी। प्राचीन तालाब, जोहड़, सोख्ता गडढ़ों, गांवों के मुख्य मार्गों, चौराहों एवं सार्वजनिक स्थलों की साफ-सफाई सहित जल स्त्रोतो की मैपिंग जैसे कार्य होंगे।

"मोबाइल युग में संस्कारों का महाकुंभ"

इंदौर में 2000 बच्चों ने सीखा जैनत्व, डिजिटल तकनीक और श्रद्धा का अद्भुत संगम

राजेश जैन दद्दू

इंदौर। मां अहिल्या की नगरी इंदौर में आयोजित 8 दिवसीय जैन बाल एवं युवा संस्कार शिक्षण प्रशिक्षण शिविर ने यह सिद्ध कर दिया कि यदि सही दिशा और सकारात्मक वातावरण मिले, तो आज की युवा पीढ़ी धर्म और संस्कारों से दूर नहीं, बल्कि उन्हें आत्मसात करने के लिए उत्सुक है। धर्म समाज प्रचारक राजेश जैन दद्दू ने बताया कि प्रतिवर्षानुसार यंग जैन स्टडी ग्रुप द्वारा 3 मई से 10 मई 2026 तक सन्मति स्कूल, संयोगितागंज, इंदौर में आयोजित इस शिविर में 2200 से अधिक बच्चों और युवाओं ने ऑनलाइन पंजीयन कराया। इनमें से लगभग 2000 बच्चों ने आठ दिनों तक अनुशासित वातावरण में जैनत्व के मूल संस्कार ग्रहण किए। शिविर संयोजक अजय मिंटा जैन ने बताया कि प्रतिदिन प्रातः 5 बजे से व्यवस्थाएं प्रारंभ हो जाती थीं। सन्मति स्कूल की 40 से अधिक बसें सुबह 5:30 बजे शहर के विभिन्न क्षेत्रों से बच्चों को लेकर शिविर स्थल पहुंचती थीं। ठीक 6:50 बजे जिनेंद्र अभिषेक एवं अष्टद्रव्य पूजन प्रारंभ होता था। श्री विमलचंदजी छाबड़ा के मार्गदर्शन एवं श्रीमती जयश्री टोंग्या की मधुर वाणी में जब 2000 बच्चे एक साथ भक्ति भाव से पूजन करते थे, तब पूरा वातावरण आध्यात्मिक ऊर्जा से भर उठता था। उपस्थित श्रद्धालु उस भव्य दृश्य को देखकर मंत्रमुग्ध हो जाते थे। दद्दू ने बताया कि माइक्रोसॉफ्ट अमेरिका की कंपनी का आकर्षक पैकेज और आधुनिक कॉर्पोरेट जीवन छोड़कर धर्म, समाज और संस्कारों के लिए समर्पित पं. प्रकाश छाबड़ा का यह प्रयास आज एक विशाल संस्कार अभियान का रूप ले चुका है। उनके मार्गदर्शन में वर्षों से संचालित यह शिविर नई पीढ़ी में धार्मिक चेतना जागृत करने का प्रभावी माध्यम बन गया है। शिविर की विशेषता यह रही कि यहां पारंपरिक संस्कारों को आधुनिक तकनीक के साथ जोड़ा गया। बच्चों को लेवल वन से लेवल सेवन तक विभाजित कर जैनागम आधारित विषयों का अध्यापन आधुनिक शैली में कराया गया। णमोकार मंत्र, पंच परमेष्ठी, छह द्रव्य, सात तत्व, आठ कर्म, दशधर्म, तीन लोक और रात्रि भोजन त्याग जैसे विषयों को युवा विद्वानों ने डिजिटल प्रस्तुति, प्रोजेक्टर एवं पीपीटी के माध्यम से अत्यंत सरल और रोचक तरीके से समझाया। लगभग 2000 बच्चों ने प्रत्यक्ष अध्ययन किया, जबकि सैकड़ों बच्चे यूट्यूब लाइव के माध्यम से भी जुड़े। शिविर का संपूर्ण संचालन डिजिटल तकनीक के माध्यम से किया गया। प्रत्येक शिविरार्थी का ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन, उपस्थिति एवं परीक्षा रिकॉर्ड डिजिटल रूप से सुरक्षित रखा गया। बसों के आगमन एवं प्रस्थान की जानकारी सीधे अभिभावकों के मोबाइल पर भेजी जाती थी तथा अध्ययन सामग्री भी ऑनलाइन उपलब्ध कराई गई। शिविर का अवलोकन करने पहुंचे सांसद शंकर लालवानी, अशोक जैन "अरिहंत कैपिटल", अमित कासलीवाल, आनंद गोधा, भरत मोदी, सुनील मीना जैन, श्रीमती श्वेता संजय बंडी, नेहा पलाश बक्षी, अविनाश सेठी एवं विजित रामावत सहित अनेक गणमान्य नागरिकों ने इस आयोजन को "अद्भुत", "अनुकरणीय" और "इंदौर के लिए वरदान" बताया। इस शिविर की सफलता के पीछे प्रीतेश जैन, अजय नीतू जैन, आमोद पहाड़िया, अमन जैन, रोहित जैन, तरुण जैन, श्रीमती खुशबू जैन, अंशुल जैन, अरिहंत जैन सहित यंग जैन स्टडी ग्रुप के अनेक कार्यकर्ताओं का अथक परिश्रम रहा। समापन समारोह में प्रत्येक लेवल के प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। शिविर संयोजक अजय मिंटा जैन ने कहा कि विगत 11 वर्षों से निरंतर संचालित यह शिविर अब केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि नई पीढ़ी में संस्कार जागरण का महाअभियान बन चुका है।

राजेश जैन दद्दू
धर्म समाज प्रचारक, इंदौर
मो. 9425321169

मुकाम वह हासिल करो, जब चाहो तब स्वयं को बदल सको: अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागरजी महाराज

औरंगाबाद/परतापुर, बांसवाड़ा. शाबाश इंडिया

अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागरजी महाराज एवं उपाध्याय श्री पियूष सागरजी महाराज ससंघ इन दिनों परतापुर, बांसवाड़ा (राजस्थान) में विराजमान हैं। उनके सानिध्य में विभिन्न धार्मिक एवं आध्यात्मिक कार्यक्रम संपन्न हो रहे हैं। इसी श्रृंखला में आज उपस्थित गुरुभक्तों को संबोधित करते हुए आचार्य श्री ने कहा कि आज का मनुष्य तनाव की नाव में बैठकर जीवन की यात्रा तय कर रहा है। उन्होंने कहा कि हर व्यक्ति के मन में यह प्रश्न उठता है कि तनाव से कैसे मुक्त हों, मन को स्वस्थ एवं प्रसन्न कैसे रखें और भीतर से स्वयं को आनंदित कैसे बनाएँ? इन सभी प्रश्नों का एक ही उत्तर है – ध्यान। आचार्य श्री ने कहा कि कुछ दैनिक अभ्यास अपनाकर भी मन को स्वस्थ और सकारात्मक बनाया जा सकता है। उन्होंने बताया– प्रतिदिन प्रातः उगते सूर्य की कोमल किरणों में 5 से 7 मिनट शांत बैठें और श्रद्धा भाव से सूर्य देव का ध्यान करें। दर्पण में अपनी आँखों में आँख डालकर स्वयं का नाम लेते हुए कहें ''मैं तुमसे बहुत प्यार करता हूँ।'' फिर चेहरे पर मधुर मुस्कान लाएँ।

मोबाइल व्रत अपनाएं: सोने से एक घंटा पहले तथा जागने के एक घंटा बाद तक मोबाइल फोन को हाथ न लगाएँ।

प्रतिदिन सोने से पहले 5 से 10 मिनट किसी महापुरुष की जीवनी अथवा श्रेष्ठ विचारकों की पुस्तक पढ़ें। सुबह उठने के बाद और रात्रि में सोने से पूर्व 5 से 10 मिनट निर्विचार होकर शांत बैठें। आचार्य श्री ने कहा कि जिस दिन मनुष्य इतना शांत और संतुलित हो जाए कि वर्तमान क्षण उसकी पकड़ में आ जाए, तब समझना चाहिए कि वह ध्यान में प्रवेश के योग्य हो गया है। ध्यान जीवन की आंतरिक अनुभूति है, जिसका प्रभाव हमारे बाहरी जीवन में स्पष्ट दिखाई देता है। उन्होंने कहा कि बाहरी जीवन को सफल और सार्थक बनाने के लिए मनुष्य को स्वयं प्रयास करना पड़ता है, क्योंकि जीवन लकड़ी नहीं है, जिसे आकार देने के लिए बढ़ई के पास जाना पड़े। जीवन पाषाण भी नहीं है, जिसे कोई कारीगर तराश सके। जीवन कागज भी नहीं है, जिसे सजाने के लिए चित्रकार की आवश्यकता पड़े।

जीवन प्राणवान, ऊर्जावान और चैतन्य है। यह लकड़ी, पत्थर और कागज की तरह जड़ नहीं है। जीवन का सृजन और विनाश दोनों स्वयं मनुष्य के हाथ में हैं। जीवन को बनाना भी स्वयं के हाथ में है और मिटाना भी।

नरेंद्र अजमेरा,
पियूष कासलीवाल, औरंगाबाद ।

प्रोजेक्ट ''चिड़िया'': हर घर परिंडा अभियान

श्री मुल्तान दिगम्बर जैन समाज एवं श्री मुल्तान दिगम्बर जैन महिला मंडल, आदर्श नगर की सुंदर पहल

जयपुर. शाबाश इंडिया

भीषण गर्मी में पक्षियों के लिए जल एवं दाना उपलब्ध कराने के उद्देश्य से श्री मुल्तान दिगम्बर जैन महिला मंडल, आदर्श नगर द्वारा ''प्रोजेक्ट चिड़िया–हर घर परिंडा अभियान'' का प्रेरणादायक आयोजन किया गया। इस सेवा एवं संवेदना से जुड़े कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों में जीव दया, करुणा एवं सेवा भाव के संस्कार जागृत करना रहा। महिला मंडल की अध्यक्षा श्रीमती मधु जैन एवं मंत्री नम्रता जैन ने बताया कि ''प्रोजेक्ट चिड़िया'' के माध्यम से बच्चों को जीवों के प्रति प्रेम, दया और जिम्मेदारी का संदेश देने का प्रयास किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में महिला मंडल के सभी कार्यकर्ता सदस्यों का पूर्ण सहयोग रहा। श्री मुल्तान दिगम्बर जैन समाज के अध्यक्ष श्री चंद्रेश जैन एवं मंत्री अनिल जैन ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी बच्चों एवं महिलाओं को आशीर्वाद देकर उनका उत्साहवर्धन किया तथा इस सेवा कार्य की अनुमोदना की। कार्यक्रम में 3 वर्ष से 16 वर्ष तक के लगभग 30 बच्चों ने अपनी माताओं, दादियों एवं नानियों के साथ उत्साहपूर्वक भाग लिया। सभी बच्चों ने बड़े प्रेम और उमंग के साथ अपने हाथों से परिंडे एवं जल पात्र तैयार किए। बच्चों के उत्साह और रचनात्मकता ने कार्यक्रम को विशेष आकर्षण प्रदान किया। इस अवसर पर विद्यासागर पाठशाला की शिक्षिका सुकुमारी देशना जी भी उपस्थित रहीं। पाठशाला की कोऑर्डिनेटर्स श्रीमती मीनू जैन एवं श्रीमती नूपुर जैन ने कहानियों और कविताओं के माध्यम से बच्चों को अत्यंत सरल एवं प्रेरणादायक तरीके से समझाया कि गर्मी के दिनों में पक्षियों के लिए घरों, बालकनी, छत एवं पेड़ों पर जल पात्र रखना कितना आवश्यक और पुण्यदायी कार्य है। कार्यक्रम के अंत में प्रत्येक बच्चे को पक्षियों के लिए एक जल पात्र तथा ज्वार एवं बाजरे का दाना भेंट स्वरूप दिया गया, ताकि वे अपने घर, बगीचे, बालकनी, छत अथवा पेड़ों पर उसे सुरक्षित रखकर प्रतिदिन पक्षियों के लिए ताजा पानी और दाना उपलब्ध करा सकें। यह कार्यक्रम बच्चों में सेवा, संवेदना, पर्यावरण संरक्षण एवं जीव दया के संस्कार विकसित करने की दिशा में एक अत्यंत प्रेरणादायक एवं सराहनीय पहल सिद्ध हुआ।

राजनीति

वैश्विक संकटों के दौर में परिवार ही रिश्तों की अंतिम शरणस्थली

ललित गर्ग

हर वर्ष 15 मई को मनाया जाने वाला अंतर्राष्ट्रीय परिवार दिवस केवल एक औपचारिक आयोजन नहीं, बल्कि मानवीय रिश्तों और जीवन मूल्यों का उत्सव है। यह दिन हमें याद दिलाता है कि दुनिया चाहे कितनी भी आधुनिक, तकनीकी और आर्थिक रूप से विकसित क्यों न हो जाए, मनुष्य की सबसे पहली आवश्यकता आज भी परिवार ही है। संयुक्त राष्ट्र द्वारा स्थापित यह दिवस इस वर्ष विशेष महत्व रखता है, क्योंकि पूरी दुनिया महंगाई, बेरोजगारी, युद्ध, मानसिक तनाव, अकेलेपन और टूटते सामाजिक विश्वासों के संकट से गुजर रही है। ऐसे समय में परिवार केवल रहने का स्थान नहीं, बल्कि सुरक्षा, संवेदना और संस्कारों की सबसे मजबूत शरणस्थली बनकर उभरता है। आज दुनिया का सबसे बड़ा संकट केवल आर्थिक नहीं, बल्कि भावनात्मक और नैतिक संकट है। बाजारवाद ने मनुष्य को उपभोक्ता तो बना दिया, लेकिन संवेदनशील इंसान नहीं बना सका। रिश्तों में स्वार्थ बढ़ा है और विश्वास की जगह संदेह ने ले ली है। लोग तकनीक से जुड़ रहे हैं, लेकिन अपनों से दूर होते जा रहे हैं। परिवारों के भीतर संवाद कम हो रहा है, सहनशीलता घट रही है और 'मैं' का अहंकार ''हम' की भावना पर भारी पड़ता दिखाई दे रहा है। ऐसी परिस्थितियों में परिवार की भूमिका पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण हो जाती है। परिवार केवल रक्त संबंधों का समूह नहीं, बल्कि जीवन मूल्यों की पहली पाठशाला है, जहां मनुष्य प्रेम, त्याग, अनुशासन, धैर्य और सह-अस्तित्व का अभ्यास सीखता है। बढ़ती महंगाई और बेरोजगारी के इस दौर में संयुक्त परिवार की अवधारणा फिर प्रासंगिक होती दिखाई दे रही है। संयुक्त परिवार केवल आर्थिक साझेदारी नहीं, बल्कि भावनात्मक सुरक्षा का आधार भी है। वहां जिम्मेदारियां बांटी जाती हैं, संसाधनों का साझा उपयोग होता है और संकट अकेले व्यक्ति पर नहीं टूटता। महानगरों की भागदौड़ भरी जिंदगी में हजारों लोग आर्थिक रूप से संपन्न होने के बावजूद भीतर से अकेले हैं।

संपादकीय

राष्ट्र प्रथम, सुख-आराम बाद में

पश्चिम एशिया में ईरान-अमेरिका तनाव और हार्मुज जलडमरूमध्य को लेकर बढ़ती अनिश्चितता के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सात सूत्री अपील देशभर में चर्चा का विषय बनी हुई है। पेट्रोल-डीजल की खपत कम करने, घर से काम को बढ़ावा देने, कारपूलिंग अपनाने, अनावश्यक विदेशी यात्राएं टालने, एक वर्ष तक गैर-जरूरी सोना नहीं खरीदने तथा स्वदेशी उत्पादों को प्राथमिकता देने की अपील केवल सलाह नहीं,

बल्कि वैश्विक संकट के दौर में आर्थिक अनुशासन और राष्ट्रीय जिम्मेदारी का संदेश है। इस अपील का असर शुरूआती स्तर पर दिखाई भी देने लगा है। कई राज्यों में मंत्रियों और वरिष्ठ अधिकारियों के काफिलों में गाड़ियों की संख्या घटाई गई है। कुछ स्थानों पर इलेक्ट्रिक वाहनों के उपयोग को बढ़ावा दिया जा रहा है। दिल्ली, मुंबई और बेंगलुरु जैसे महानगरों में अनेक निजी कंपनियों ने सप्ताह में एक या दो दिन घर से काम की व्यवस्था लागू करने पर विचार शुरू कर दिया है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र में सप्ताह में एक दिन भी घर से काम की व्यवस्था लागू हो जाए तो लाखों लीटर ईंधन की बचत संभव है। आर्थिक दृष्टि से यह अपील अत्यंत महत्वपूर्ण मानी जा रही है। भारत अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं के लिए बड़े पैमाने पर कच्चे तेल के आयात पर निर्भर है। यदि हार्मुज क्षेत्र में संकट गहराता है तो तेल की कीमतें 110 से 120 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच सकती हैं। इसका सीधा असर व्यापार घाटे, महंगाई और रुपये की स्थिति पर पड़ेगा। विदेशी मुद्रा भंडार पर दबाव बढ़ेगा और आम जनता को महंगे ईंधन तथा बढ़ती कीमतों का सामना करना पड़ सकता है। ऐसे समय में ईंधन बचत और गैर-जरूरी आयातों में कमी देश की आर्थिक सुरक्षा के लिए आवश्यक कदम बन जाते हैं। प्रधानमंत्री की अपील का सकारात्मक पहलू यह है कि इससे ''राष्ट्र प्रथम'' की भावना फिर से मजबूत होती दिखाई दे रही है। कोविड काल की तरह एक बार फिर लोगों को यह संदेश दिया गया है कि व्यक्तिगत सुविधा से ऊपर राष्ट्रीय हित होता है। सोशल मीडिया पर बड़ी संख्या में युवा और मध्यम वर्ग इस पहल का समर्थन कर रहे हैं। कई संस्थाओं ने स्वेच्छा से ऊर्जा बचत अभियान शुरू किए हैं। यदि यह अभियान व्यापक रूप लेता है तो ट्रैफिक कम होगा, प्रदूषण घटेगा और पर्यावरण संरक्षण को भी बल मिलेगा। साथ ही स्वदेशी उद्योगों और स्थानीय उत्पादों को नई ऊर्जा मिल सकती है। हालांकि चुनौतियां भी कम नहीं हैं। विपक्ष इसे बढ़ती महंगाई और बेरोजगारी से ध्यान हटाने की कोशिश बता रहा है। मध्यम वर्ग का एक बड़ा हिस्सा मानता है कि रोजमर्रा की जरूरतों और सामाजिक परंपराओं के बीच सोने और ईंधन की खपत सीमित करना आसान नहीं होगा। ग्रामीण क्षेत्रों और छोटे शहरों में जागरूकता की कमी भी बड़ी बाधा है। केवल अपील से दीर्घकालिक समाधान संभव नहीं होंगे, इसके लिए सरकार को ठोस नीतियां, प्रोत्साहन योजनाएं और जनजागरूकता अभियान चलाने होंगे।

-राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

हर शाख पर उल्लू बैठे हैं...

मनोज कुमार अग्रवाल

नीट यूजी 2026 परीक्षा रद्द होने की खबर ने केवल लाखों छात्रों और उनके अभिभावकों को ही नहीं झकझोरा, बल्कि देश की पूरी प्रतियोगी परीक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। यह मामला केवल एक प्रश्नपत्र के लीक होने का नहीं, बल्कि उन सपनों के टूटने का है, जिनके सहारे लाखों विद्यार्थी वर्षों तक कठिन परिश्रम करते हैं। मेडिकल कॉलेज में प्रवेश पाने के लिए छात्र दिन-रात मेहनत करते हैं, परिवार अपनी जमा-पूंजी खर्च करते हैं और माता-पिता अपनी इच्छाओं का त्याग कर बच्चों की तैयारी में सहयोग देते हैं। ऐसे में जब पेपर लीक जैसी घटनाएं सामने आती हैं, तो सबसे बड़ा नुकसान परीक्षा प्रणाली के प्रति भरोसे का होता है। देश में प्रतियोगी परीक्षाएं लंबे समय से योग्यता, परिश्रम और निष्पक्षता का प्रतीक मानी जाती रही हैं। खासकर नीट जैसी परीक्षा, जिसमें लाखों छात्र शामिल होते हैं, केवल एक प्रवेश परीक्षा नहीं बल्कि भविष्य तय करने वाला महत्वपूर्ण पड़ाव होती है। इसलिए जब ऐसी परीक्षा पर प्रश्नचिह्न लगता है, तो उसका असर केवल परीक्षा केंद्रों तक सीमित नहीं रहता। इसका प्रभाव गांवों, छोटे शहरों, कोचिंग संस्थानों और उन परिवारों तक पहुंचता है, जिन्होंने अपने बच्चों को डॉक्टर बनते देखने का सपना संजोया होता है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि इतनी बड़ी परीक्षा व्यवस्था में सेंध कैसे लगी। प्रश्नपत्र निर्माण, छपाई, परिवहन, भंडारण और वितरण तक कई स्तरों की सुरक्षा व्यवस्था होती है। इसके बावजूद यदि पेपर बाहर पहुंच जाता है, तो यह स्पष्ट संकेत है कि कहीं न कहीं सिस्टम में गंभीर प्रशासनिक, तकनीकी और नैतिक कमजोरी मौजूद है। चिंताजनक बात यह है कि पेपर लीक अब आकस्मिक अपराध नहीं रहा, बल्कि संगठित अवैध कारोबार का रूप ले चुका है। इसमें मास्टरमाइंड से लेकर स्थानीय एजेंटों तक एक लंबी श्रृंखला सक्रिय रहती है। कोई प्रश्नपत्र तक पहुंच बनाता है, कोई उसे बेचता है और कोई छात्रों तक पहुंचाने का काम करता है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार पिछले सात वर्षों में देशभर में 70 से अधिक परीक्षा पत्र लीक हो चुके हैं, जिनसे करोड़ों युवाओं के भविष्य पर असर पड़ा है। इससे पहले भी 2021 और 2024 की नीट परीक्षाओं में गड़बड़ियों और संगठित नकल के आरोप सामने आ चुके हैं। यह स्थिति बताती है कि समस्या केवल किसी एक परीक्षा तक सीमित नहीं, बल्कि पूरी परीक्षा प्रणाली की विश्वसनीयता पर संकट है। प्रतियोगिता अत्यंत कठिन है और मेडिकल सीटें सीमित हैं। इसी दबाव का लाभ उठाकर कुछ गिरोह छात्रों के भविष्य का सौदा करते हैं। कुछ लोग लाखों रुपये देकर अनुचित लाभ लेना चाहते हैं, लेकिन इसका सबसे बड़ा नुकसान उन ईमानदार छात्रों को होता है जो कठिन मेहनत के भरोसे परीक्षा देते हैं। केंद्र सरकार ने सार्वजनिक परीक्षा अनुचित साधनों की रोकथाम अधिनियम 2024 लागू किया है, जिसमें पेपर लीक, साइबर हैकिंग और संगठित अपराध पर कठोर सजा का प्रावधान है लेकिन केवल कानून बना देना पर्याप्त नहीं है। कानून का प्रभाव तभी होगा जब जांच निष्पक्ष, तेज और परिणाम तक पहुंचने वाली हो। अक्सर देखा गया है कि शुरूआती कार्रवाई के बाद मामले धीमे पड़ जाते हैं। छोटे एजेंट पकड़े जाते हैं, लेकिन बड़े चेहरे बच निकलते हैं। इस बार आवश्यकता है कि जांच केवल दलालों तक सीमित न रहे, बल्कि यह पता लगाया जाए कि सुरक्षा घेरा कहां टूटा, किस स्तर पर मिलीभगत हुई और इस पूरे नेटवर्क में कौन-कौन शामिल था।

मुनि श्री 108 विनम्र सागर जी महाराज संतोष विला पर पधारे

जयपुर. शाबाश इंडिया

परम पूज्य मुनि श्री 108 विनम्र सागर जी महाराज आज प्रातः 'संतोष विला' पर मंगल प्रवेश हुआ। इस अवसर पर वरिष्ठ पत्रकार एवं चूलगिरी तीर्थ क्षेत्र के संरक्षक श्री प्रवीण चंद्र छाबड़ा ने अपनी तीन पुस्तकों की भेंट अर्पित की। मुनि श्री ने सूक्ष्म लेखन कलाकार श्रीमती नीरू छाबड़ा द्वारा चावल के दाने पर किए जाने वाले अद्भुत सूक्ष्म लेखन को देखा एवं उनकी विशेष कलाकृतियों भक्तामर स्तोत्र, अनेकता में एकता, मेरा भारत महान तथा गणेश जी के 108 नाम का अवलोकन किया। इस अवसर पर सारांश जैन (छाबड़ा) ने हस्तनिर्मित कागज पर तैयार की गई अपनी सूक्ष्म लेखन कृति ''संपूर्ण गीता'' भी मुनि श्री को दिखाई, जिसकी महाराज श्री ने विशेष सराहना की। मुनि श्री ने पंजिका पुस्तिका में अपने आशीर्वचन लिखते हुए कहा कि ''पुरुषार्थ और प्रभु कृपा का अद्भुत मेल देख रहा हूं। देख रहा हूं साधना कहां-कहां से क्या-क्या बोलती है, कितना अच्छा और पवित्र बोलती है। संवेदना के साथ, मोक्षगामी भव।'' इस अवसर पर प्रदीप, सारांश, अभिनव एवं दिव्यम छाबड़ा ने श्रद्धाभावपूर्वक मुनि श्री का पद प्रक्षालन किया एवं आशीर्वाद प्राप्त किया।

माता-पिता के सपनों को पूरा करने का दायित्व

माता-पिता हमारे जीवन की वह मजबूत नींव हैं, जिनके त्याग, प्रेम और संघर्ष पर हमारा भविष्य खड़ा होता है। वे स्वयं अनेक कठिनाइयों का सामना करते हुए अपने बच्चों के लिए बेहतर जीवन, अच्छी शिक्षा और श्रेष्ठ संस्कारों का सपना देखते हैं। उनके सपने केवल व्यक्तिगत इच्छाएँ नहीं होते, बल्कि अपने बच्चों को सफल, संस्कारी और सम्मानित व्यक्ति बनाने की आकांक्षा होते हैं। इसलिए उन सपनों को साकार करना प्रत्येक संतान का नैतिक दायित्व है। माता-पिता अपने बच्चों की खुशी के लिए दिन-रात मेहनत करते हैं। कई बार वे अपनी इच्छाओं और सुख-सुविधाओं का त्याग कर बच्चों की पढ़ाई, करियर और भविष्य को प्राथमिकता देते हैं। उनका जीवन संघर्षों से भरा हो सकता है, लेकिन वे अपने बच्चों के चेहरे पर मुस्कान देखने के लिए हर कठिनाई सह लेते हैं। ऐसे में बच्चों का भी कर्तव्य बनता है कि वे मेहनत, ईमानदारी और अच्छे आचरण से माता-पिता की उम्मीदों का सम्मान करें। माता-पिता के सपनों को पूरा करने का अर्थ केवल आर्थिक सफलता प्राप्त करना नहीं है। वास्तविक सफलता तब मानी जाती है, जब संतान अपने व्यवहार, संस्कार और चरित्र से परिवार का नाम रोशन करे। माता-पिता चाहते हैं कि उनके बच्चे अच्छे इंसान बनें, समाज में सम्मान प्राप्त करें और दूसरों के प्रति संवेदनशील रहें। यदि संतान अपने जीवन में मानवता, सेवा और नैतिक मूल्यों को अपनाती है, तो वही माता-पिता के सपनों की सच्ची पूर्ति है। आज के आधुनिक युग में व्यस्त जीवनशैली और बदलती परिस्थितियों के कारण कई बार बच्चों और माता-पिता के बीच दूरियाँ बढ़ जाती हैं। फिर भी हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि माता-पिता का प्रेम निस्वार्थ और निष्कलंक होता है। वृद्धावस्था में उनकी सेवा करना, उन्हें सम्मान देना और उनके साथ समय बिताना भी उनके सपनों को पूरा करने का महत्वपूर्ण हिस्सा है। उनके चेहरे की संतुष्टि और खुशी ही संतान की सबसे बड़ी उपलब्धि होती है। अंततः, माता-पिता के सपनों को पूरा करना केवल जिम्मेदारी नहीं, बल्कि उनके प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का श्रेष्ठ माध्यम है। जो संतान अपने माता-पिता के संघर्ष, त्याग और भावनाओं का सम्मान करती है, वही जीवन में सच्चे अर्थों में सफल कहलाती है। माता-पिता का आशीर्वाद जीवन की सबसे बड़ी पूंजी है, और उनके सपनों को साकार करना हर संतान का परम कर्तव्य होना चाहिए।

अनिल माथुर: ज्वाला-विहार, जोधपुर

अतिशय क्षेत्र सांखना में आर्यिका विज्ञाश्री माताजी संसंघ का भक्ति भाव से मंगल प्रवेश

“संतों की संगति से करोड़ों भवों के पाप कटते हैं”: आर्यिका विज्ञाश्री माताजी

सांखना, टोंक. शाबाश इंडिया

आचार्य विराग सागर महाराज की सुशिष्या, प्रवचन प्रवाहिका, विदुषी मनीषी एवं विज्ञा तीर्थ प्रणेता गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी संसंघ का श्री शांतिनाथ दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र, सांखना में भव्य मंगल प्रवेश हुआ। मीडिया प्रभारी राजेश अरिहंत ने बताया कि धुआं ग्राम से विहार करते हुए आर्यिका संघ का प्रातः अतिशय क्षेत्र सांखना में भव्य मंगल प्रवेश हुआ। सांखना बड़ा बाजार चौराहे पर प्रबंध समिति द्वारा पुष्पवर्षा एवं

आरती उतारकर संघ की मंगल अगवानी की गई। तत्पश्चात बैंड-बाजों के साथ शोभायात्रा के रूप में आर्यिका संघ का मंदिर परिसर में प्रवेश हुआ, जहां आर्यिका विज्ञाश्री माताजी संसंघ ने भगवान शांतिनाथ के दर्शन किए। आर्यिका संघ के पावन सानिध्य में अभिषेक, शांतिधारा एवं नित्य पूजा के कार्यक्रम संपन्न हुए। इस अवसर पर प्रकाश सोनी, प्यारचंद जैन, मनीष बज, महावीर, शिखर, निर्मल पाटोदी, भागचंद, पवन, आशीष, रोविल जैन शास्त्री, राजकुमार, चौथमल, महेंद्र चवरिया, रानी सोनी, रेशम देवी, मंजू, पुष्पा, सुनीता जैन सहित सैकड़ों श्रद्धालु उपस्थित रहे। प्रतीक जैन सेठी ने बताया कि धर्मसभा को संबोधित करते हुए आर्यिका विज्ञाश्री माताजी ने कहा कि जैसे हाथी के पैर पड़ने से टमाटर चकनाचूर हो जाता है, वैसे ही संतों के वचनों से हमारे पाप कर्म नष्ट हो जाते हैं। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार छाता बारिश को नहीं रोकता, लेकिन बरसात में चलने का हौसला देता है, उसी प्रकार संत हमारे कर्मों को तो नहीं रोक सकते, लेकिन उनसे संघर्ष करने की शक्ति अवश्य प्रदान करते हैं।

हम सरावगी समाज, देश व धर्म की रक्षा के लिए कटिबद्ध रहेंगे: एडवोकेट सुरेन्द्र मोहन जैन

समाज की संगठन शक्ति ही एकता का महान सूत्र है: जिलाध्यक्ष संत कुमार जैन कासलीवाल

आगामी दिनों में टोंक जिले में सरावगी समाज की बैठक आयोजित होगी

टोंक/टोडारायसिंह. शाबाश इंडिया। श्री दिगम्बर जैन खण्डेलवाल सरावगी समाज के परम संरक्षक एवं वरिष्ठ समाजसेवी एडवोकेट सुरेन्द्र मोहन जैन कासलीवाल (मालपुरा) ने समाज को संगठित एवं सशक्त बनाने पर जोर देते हुए कहा कि समाज में विघटन नहीं, बल्कि संगठन की आवश्यकता है। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि ''सूई फटे हुए कपड़ों को सिलकर नया रूप दे देती है, जबकि कैंची सिले हुए नए वस्त्र को भी टुकड़े-टुकड़े कर देती है।'' समाज में भी विभिन्न विचारधाराओं के लोग होते हैं। कुछ लोग अपने स्वार्थों का त्याग कर समाज, देश और धर्म के लिए समर्पित रहते हैं, वहीं कुछ लोग निजी स्वार्थों के कारण समाज में वैमनस्य और विभाजन की दीवारें खड़ी करने का प्रयास करते हैं। एडवोकेट सुरेन्द्र मोहन जैन ने कहा कि आज आवश्यकता समाज को तोड़ने की नहीं, बल्कि जोड़ने की है। समाज की शक्ति उसकी एकता और संगठन में निहित होती है। श्री दिगम्बर जैन खण्डेलवाल सरावगी समाज टोंक के जिलाध्यक्ष संत कुमार जैन कासलीवाल (टोडारायसिंह) ने कहा कि समाज का युवा वर्ग देश के विभिन्न हिस्सों से जुड़कर संगठन को मजबूत बनाने के लिए दृढ़ संकल्पित है। उन्होंने कहा कि टोंक जिले में लगभग 2000 युवा समाज के नाम पर संगठित होकर समाज, देश और धर्म की रक्षा के लिए कटिबद्ध हैं। उन्होंने कहा कि ''समाज की संगठन शक्ति ही एकता का महान सूत्र है।'' यदि समाज संगठित रहेगा, तो वह हर चुनौती का सामना मजबूती से कर सकेगा। जिला महामंत्री अशोक कुमार कासलीवाल ने कहा कि समाज में सभी प्रकार के लोग होते हैं और सबकी सोच अलग-अलग हो सकती है, लेकिन एकता से ही शक्ति का निर्माण होता है। उन्होंने कहा कि समाज में वही लोग विशेष होते हैं, जो सकारात्मक सोच के साथ लोगों को जोड़ने का कार्य करते हैं। जिला प्रवक्ता विमल पाटनी जौंला ने कहा कि एक-दूसरे को नीचा दिखाने की प्रवृत्ति समाज के पतन का कारण बनती है। ईर्ष्या और द्वेष का त्याग कर सामूहिक प्रयासों से ही समाज और राष्ट्र को मजबूत बनाया जा सकता है। संगठन में रहकर मेहनत करने वाला व्यक्ति ही वास्तविक सफलता प्राप्त करता है। इस अवसर पर जिला उपाध्यक्ष अमित कटारिया, कोषाध्यक्ष महावीर प्रसाद छाबड़ा, उनियारा ब्लॉक अध्यक्ष दिनेश पाटोदी, मालपुरा ब्लॉक अध्यक्ष प्रकाशचंद पाटनी सहित अनेक समाजबंधुओं ने संगठन की एकता और मजबूती पर अपने विचार व्यक्त किए। जिला प्रवक्ता विमल पाटनी जौंला ने बताया कि आगामी दिनों में टोंक जिले में सरावगी समाज की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की जाएगी, जिसकी सूचना शीघ्र ही समाज के समक्ष जारी की जाएगी।

मुनि श्री सुयत्न सागर जी महाराज ने कहा...

मंदिरों में तीर्थंकरों की वीतराग मूर्तियां हमें बताती हैं कि सच्चा सुख आत्मा में है, बाहरी वस्तुओं में नहीं

इंदौर. शाबाश इंडिया

अतिशय योगी 108 मुनि श्री सुयत्न सागर जी महाराज का मुंबई महानगर (बोरीवली) से णमोकार तीर्थ होते हुए तीर्थराज सम्मेद शिखर जी की ओर विहार निरंतर जारी है। दिगंबर जैन समाज सामाजिक संसद के प्रचार प्रमुख सतीश जैन ने बताया कि मुनि श्री का आज श्री महावीर जिनालय, संगम नगर में भव्य मंगल प्रवेश हुआ। मार्ग में विभिन्न स्थानों पर समाजजनों ने श्रद्धाभाव से मुनि श्री का पाद प्रक्षालन कर आरती उतारी। सतीश जैन ने जानकारी दी कि मुनि श्री सुयत्न सागर जी महाराज 1008 शिखरबंद मंदिरों के दर्शन करने का संकल्प लेकर विहाररत हैं। अब तक वे लगभग 1300 किलोमीटर की पदयात्रा करते हुए 620 मंदिरों के दर्शन कर चुके हैं। मुनि श्री ने प्रवचन में दर्शन के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि जैन मंदिरों के दर्शन करने से आध्यात्मिक शांति, मानसिक एकाग्रता एवं पुण्य का अर्जन होता है। मंदिरों का वातावरण मनुष्य को नकारात्मकता से दूर कर आत्मचिंतन की ओर प्रेरित करता है। उन्होंने कहा कि मंदिरों में विराजित तीर्थंकरों की वीतराग प्रतिमाएं हमें यह संदेश देती हैं कि वास्तविक सुख बाहरी भौतिक वस्तुओं में नहीं, बल्कि अपनी आत्मा

में निहित है। आत्मा की शुद्धि और संयमपूर्ण जीवन ही सच्चे आनंद का मार्ग है। मुनि श्री ने सभी श्रद्धालुओं से विहार एवं आहार चर्या में सहभागी होकर पुण्य लाभ अर्जित करने का आह्वान किया। दिगंबर जैन समाज सामाजिक संसद के अध्यक्ष विनय बाकलीवाल एवं महामंत्री देवेंद्र सोगानी ने समाजजनों से अधिक से अधिक संख्या में कार्यक्रमों में सम्मिलित होने की अपील की। संगम नगर मंदिर पहुंचने पर मनोज जैन, सुबोध कासलीवाल, सतीश जैन, पारस जैन, प्रमोद जैन, अमित जैन, राहुल जैन सहित अनेक श्रद्धालुओं ने मुनि श्री का पाद प्रक्षालन कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

सतीश जैन (इला बैंक)
प्रचार प्रमुखः दिगंबर जैन समाज
सामाजिक संसद, इंदौर

राजकीय प्राथमिक विद्यालय मोर सज्जनपुरा में पर्यावरण संरक्षण पोस्टर का लोकार्पण

प्लास्टिक मुक्त भारत अभियान पर विद्यार्थियों को दी विशेष जानकारी

गढ़ी परतापुर. शाबाश इंडिया। महावीर इंटरनेशनल गढ़ी परतापुर द्वारा राजकीय प्राथमिक विद्यालय मोर सज्जनपुरा में पर्यावरण संरक्षण आधारित ज्ञानवर्धक शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रधानाध्यापक सतीश जोशी ने की। मुख्य वक्ता महावीर इंटरनेशनल गढ़ी परतापुर के गवर्निंग काउंसिल सदस्य अजीत कोठिया रहे, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में संजय जैन उपस्थित थे। कार्यक्रम के प्रारंभ में श्रीमती आशा जोशी ने विद्यालय परिवार की ओर से अतिथियों का स्वागत किया। इंटरनेशनल डायरेक्टर नॉलेज शेयरिंग एवं ई-चौपाल अजीत कोठिया ने विद्यार्थियों को सिंगल यूज प्लास्टिक के दुष्प्रभावों के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि यदि प्लास्टिक के उपयोग पर समय रहते नियंत्रण नहीं किया गया, तो पर्यावरण संतुलन गंभीर रूप से प्रभावित होगा। उन्होंने बताया कि प्लास्टिक वर्षों तक जमीन में दबा रहने के बावजूद नष्ट नहीं होता, जिससे मिट्टी और जल स्रोत दोनों प्रदूषित होते हैं। कोठिया ने विद्यार्थियों को कपड़े के स्कूल बैग भेंट करने की घोषणा की। इस पर सभी विद्यार्थियों ने कपड़े के बैग का उपयोग कर पर्यावरण संरक्षण में सहयोग देने तथा भूजल स्तर बढ़ाने के लिए जागरूक रहने की शपथ ली। प्रधानाध्यापक सतीश जोशी, संजय जैन, राजेंद्र लबाना एवं आशा जोशी ने विद्यालय भवन विकास हेतु महावीर इंटरनेशनल गढ़ी परतापुर के माध्यम से सीएसआर फंड उपलब्ध कराने का आग्रह किया। इस पर अजीत कोठिया ने विद्यालय प्रबंधन को विस्तृत प्रोजेक्ट तैयार कर प्रस्तुत करने का सुझाव दिया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों के माध्यम से ''प्लास्टिक मुक्त भारत अभियान'' पोस्टर का लोकार्पण भी किया गया। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती आशा जोशी ने किया, जबकि अंत में आभार संजय जैन ने व्यक्त किया।

पंचोली प्रांतपाल द्वारा प्रांतीय पिन से सम्मानित

अजमेर (रोहित जैन). शाबाश इंडिया

लायंस क्लब पृथ्वीराज अजमेर की सद्भावना यात्रा के अवसर पर लायंस प्रांत 3233 ए-2 के प्रांतपाल लायन आर. किशोर गर्ग ने समाजसेवी एवं वरिष्ठ लायन सदस्य गजेंद्र पंचोली को प्रांतीय पिन लगाकर सम्मानित किया। इस अवसर पर प्रांतपाल गर्ग ने गजेंद्र पंचोली के सामाजिक, शैक्षणिक एवं सेवा कार्यों की सराहना करते हुए उन्हें लायनवाद की प्रेरणादायी पहचान बताया। कार्यक्रम में उपस्थित सदस्यों ने तालियों की गड़गड़ाहट के साथ उनका अभिनंदन किया। पंचोली के इस सम्मान पर विभिन्न सामाजिक संस्थाओं के पदाधिकारियों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए शुभकामनाएं प्रेषित कीं। महावीर इंटरनेशनल रीजन-3 के उपनिदेशक प्रचार-प्रसार कमल गंगवाल, महावीर इंटरनेशनल अजयमेरु के वाइस चेयरमैन विजय जैन पांड्या, मानवता फाउंडेशन ट्रस्ट की महाप्रबंधक गुंजन माथुर, चित्रांश समाज पंचशील के उपाध्यक्ष जी.के. माथुर, इंडियन नेशनल ट्रस्ट फॉर आर्ट एंड कल्चरल हेरिटेज के अनिल लोढ़ा तथा फ्रेंडशिप लॉज नं. 47 के विनोद माथुर ने गजेंद्र पंचोली को बधाई देते हुए उनके निरंतर सामाजिक एवं सेवा कार्यों की सराहना की। सद्भावना और सेवा भावना से ओतप्रोत इस आयोजन में क्लब के पदाधिकारियों एवं सदस्यों की गरिमामयी उपस्थिति रही।

निर्यापक श्रमण मुनि पुंगव श्री सुधा सागर महाराज की प्रेरणा एवं आशीर्वाद से राज्यास में वेदी प्रतिष्ठा महोत्सव आयोजित होगा

राज्यास. शाबाश इंडिया

शाहपुरा तहसील के समीप स्थित राज्यास गांव में निर्यापक श्रमण मुनि पुंगव 108 श्री सुधा सागर महाराज की प्रेरणा एवं आशीर्वाद से श्री दिगंबर जैन मंदिर, राज्यास के स्कूल ग्राउंड में 17 एवं 18 मई 2026 को 1008 श्रीमज्जिनेन्द्र जिनबिंब वेदी प्रतिष्ठा, कलशारोहण, ध्वजारोहण महोत्सव एवं विश्व शांति महायज्ञ का भव्य आयोजन किया जाएगा। यह आयोजन प्रतिष्ठाचार्य बा. ब्र. प्रदीप भैया ''सुयश'' (अशोकनगर, मध्यप्रदेश) के सानिध्य एवं निर्देशन में संपन्न होगा। समाज के श्री कमल गोधा एवं राजकुमार गोधा ने बताया कि वर्ष 2001 में धनोप क्षेत्र में नंदी की खुदाई के दौरान लगभग 1100 वर्ष प्राचीन भगवान आदिनाथ, भगवान पार्श्वनाथ एवं नंदीश्वर द्वीप की प्रतिमाएं प्राप्त हुई थीं। इसके पश्चात 23 मई 2001 को गांव के छोटे मंदिर में इन प्रतिमाओं की वेदी प्रतिष्ठा की गई थी। वर्षों तक श्रद्धालु उसी मंदिर में दर्शन-पूजन करते रहे, लेकिन समय के साथ मंदिर जीर्ण-शीर्ण होने लगा। इसके बाद गोधा परिवार ने संकल्प लिया कि इन प्राचीन प्रतिमाओं के लिए ऐसा भव्य जिनालय निर्मित किया जाए, जो आने वाली पीढ़ियों के लिए धर्म और संस्कृति की पहचान बने। 5 फरवरी 2022 को निर्यापक श्रमण मुनि पुंगव श्री सुधासागर जी महाराज के मार्गदर्शन में नए मंदिर का शिलान्यास किया गया। दिगंबर जैन मंदिर के संरक्षक रतनलाल गोधा, अध्यक्ष भागचंद गोधा, राजकुमार गोधा, कमल गोधा एवं शशि गोधा ने बताया कि गोधा परिवार के तीन घरों के संयुक्त सहयोग से यह पाषाण निर्मित नागर शैली का भव्य जिनालय तैयार हुआ है। मंदिर में वियतनाम के सफेद पत्थर एवं बंशीपुर पहाड़ के पाषाण का उपयोग किया गया है, जो अपनी अद्भुत नक्काशी, शिखरों एवं स्थापत्य कला के कारण विशेष आकर्षण का केंद्र बनेगा। मंदिर में भगवान महावीर स्वामी की मुख्य वेदी को विशेष स्वर्ण आभा से सजाया गया है। गर्भगृह में भगवान महावीर स्वामी के साथ भगवान आदिनाथ, भगवान पार्श्वनाथ, नंदीश्वर द्वीप, भगवान मुनिसुव्रतनाथ सहित नौ देवताओं की धातु एवं पाषाण निर्मित प्रतिमाएं स्थापित की जाएंगी। समाजजनों का मानना है कि यह जिनालय भविष्य में क्षेत्र का प्रमुख धार्मिक तीर्थ स्थल बनेगा। कमल गोधा ने बताया कि हाल ही में मुंगावली पहुंचकर निर्यापक श्रमण मुनि पुंगव श्री सुधा सागर जी महाराज से भेंट कर आशीर्वाद प्राप्त किया गया तथा उनके सानिध्य में महोत्सव पत्रिका का विमोचन भी किया गया।

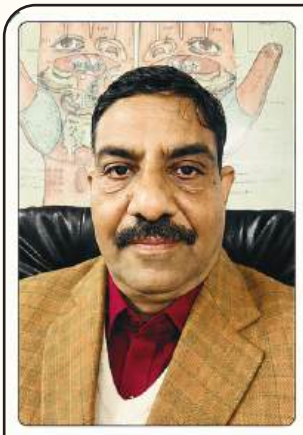

दस्त रोकने के लिए एक ख़ुराक ही काफी है।

तेज गर्मी एवं बरसात के मौसम में अक्सर लोगों का पेट खराब हो जाता है। खासतौर पर उनका जो बाहर खाना खाते हैं। पर इस बात की गारंटी नहीं ली जा सकती है कि जो लोग घर पर खाना खाते हैं उनका पेट हमेशा ठीक ही रहे। पेट में संक्रमण की बहुत सी वजहें हो सकती हैं। अनहाइजीनिक खाना, पानी या फिर हाथों के माध्यम से शरीर में पहुंची गंदगी। जिसकी वजह से बार-बार मोशन होना, कमजोरी होना, उल्टी होना और कभी-कभी बुखार होने जैसे लक्षण दिखाई देते हैं। अगर आपका पेट ख़राब हो गया है और आप दवाई खाने से बचना चाहते हैं तो इन घरेलू उपायों का अपनाकर आप राहत पा सकते हैं। ये उपाय पूरी तरह घरेलू हैं इसलिए इन पर भरोसा करने में कोई नुकसान भी नहीं है।

1 कच्चा जीरा

दस्त बहुत भयानक रोग है। अगर दस्त हो जाये तो दस्त की बहुत सस्ती दवा है, जो सबके घर मे आसानी से मिल जाती है। दस्त यानी (डिसेंटी डायरिया) की दवा है – **कच्चा जीरा आधा चम्मच ले इसे चबा चबा के खा लो** और पीछे से थोड़ा गुन गुन पानी पी लो तो ये एक खुराक में ही दस्त ठीक कर देगा। दूसरी खुराक नहीं लेनी पड़ेगी।

- अगर लेनी पड़े तो सुबह और शाम एक-एक ख़ुराक ले,
- दो खुराक से ज्यादा किसी को जरूरत नहीं पड़ेगी।
- यह जीरा दस्त के लिए बहुत अच्छी दवा है।

2 कच्चा दूध और नींबू

कच्चा दूध भी दस्त की एक बहुत अच्छी दवा है कच्चे दूध को आप आधा कप ले लो और इसमें नींबू निचोड़ के जल्दी से पी लो, क्योंकि नींबू डालने से दूध फटता है। फटने से पहले ही इसको पी लेना है, आप आधा कप दूध और आधा नींबू निचोड़ के पी लो इससे एक खुराक में ही दस्त ठीक हो जाएगे। इसकी दूसरी खुराक लेनी ही नहीं पड़ेगी।

कैसे करें उपयोग:

- आधा कप कच्चा दूध लें।
- आधा नींबू निचोड़ें।
- तुरंत पी लें (दूध फटने से पहले)।
- एक खुराक में ही राहत मिलेगी,
- दूसरी खुराक की आवश्यकता नहीं पड़ेगी।

3 बेल पत्थर का फल

एक और अच्छी दवा दस्त बंद करने की वो है बेल पत्थर का फल। इसके अंदर का जो गूदा एक बहुत अच्छी दवा है दस्त रोकने की। बेल का गूदा खा लो, एक-दो चम्मच और पीछे से पानी पी लो या बेल का चूर्ण जो बाजार में आसानी से मिल जाता है। आप एक चम्मच चूर्ण ले लो गर्म पानी से ये दस्त तुरंत रोक देगा।

उपयोग के लाभ:

- बेल का गूदा या चूर्ण दस्त को तुरंत रोकता है।
- यह पेट को ठंडक देता है और आंतों को मजबूत बनाता है।
- प्राकृतिक, सुरक्षित और प्रभावी उपाय।

घरेलू उपाय अपनाएं, स्वस्थ रहें – दवाओं से बचें, सेहत अपनाएं।

डा पीयूष त्रिवेदी
आयुर्वेद विशेषज्ञ (एक्यूप्रेशर)
जयपुर

नोट: यदि दस्त अधिक हो या बुखार, खून आना, अत्यधिक कमजोरी या उल्टी हो तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें। बच्चों, बुजुर्गों और गंभीर मामलों में चिकित्सकीय सलाह अवश्य लें।

सिंहोनिया जी में आज भगवान शांतिनाथ का भव्य महामस्तकाभिषेक महोत्सव

1008 कलशों से होगा अभिषेक, निर्वाण लाडू चढ़ाकर भक्त करेंगे पुण्यार्जन

1100 वर्ष प्राचीन प्रतिमाओं के दर्शन को देशभर से पहुंचेंगे श्रद्धालु

अंबाह. शाबाश इंडिया

प्राचीन एवं अतिशयकारी श्री 1008 शांतिनाथ दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र, सिंहोनिया में आज 15 मई, शुक्रवार को जेठ वदी चतुर्दशी के पावन अवसर पर भगवान श्री 1008 शांतिनाथ का भव्य महामस्तकाभिषेक एवं निर्वाण लाडू महोत्सव श्रद्धा और भक्ति के साथ आयोजित किया जाएगा। इस पावन अवसर पर अंबाह, मुरैना सहित देश के विभिन्न राज्यों से हजारों श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है। तीर्थ क्षेत्र में भक्ति, उत्साह और आध्यात्मिक उल्लास का वातावरण बना हुआ है। सिंहोनिया जी का यह जैन तीर्थ प्राचीन काल से साधना, तप और आस्था का महत्वपूर्ण केंद्र माना जाता है। यहां विराजमान भगवान शांतिनाथ, भगवान अरहनाथ और भगवान कुंथुनाथ की प्राचीन प्रतिमाएं लगभग 1100 वर्ष पुरानी मानी जाती हैं। श्रद्धालुओं का विश्वास है कि इन दिव्य प्रतिमाओं के दर्शन से आत्मिक शांति एवं पुण्य की प्राप्ति होती है। यह अतिशय क्षेत्र अनेक आध्यात्मिक अनुभूतियों और चमत्कारों के कारण देशभर में विशेष आस्था का केंद्र बना हुआ है। तीर्थ क्षेत्र का इतिहास भी अत्यंत प्रेरणादायी है। लगभग 85 वर्ष पूर्व ककरारी ग्राम के ब्रह्मचारी गुमानी लाल जैन को स्वप्न में संकेत मिला कि सिंहोनिया गांव में भूमि के भीतर प्राचीन जैन प्रतिमाएं विराजमान हैं। अगले दिन समाजजनों के साथ वहां खुदाई की गई, जिसमें भगवान शांतिनाथ, अरहनाथ और कुंथुनाथ की प्राचीन प्रतिमाएं प्रकट हुईं। तभी से यह स्थान जैन समाज की विशेष श्रद्धा का केंद्र बन गया और आज इसे चंबल अंचल के प्रमुख जैन तीर्थों में गिना जाता है। आज के धार्मिक कार्यक्रमों के अनुसार प्रातः 7 बजे से सामूहिक अभिषेक एवं पूजन प्रारंभ होगा। इसके पश्चात प्रातः 8 बजे श्री 1008 शांतिनाथ महामंडल विधान आयोजित किया जाएगा। प्रातः 10 बजे भगवान शांतिनाथ का निर्वाण लाडू महोत्सव एवं भव्य महामस्तकाभिषेक संपन्न होगा। आयोजन समिति के अनुसार इस वर्ष भगवान का अभिषेक 1008 कलशों से किया जाएगा, जिसे अत्यंत पुण्यकारी माना जाता है। समिति के सदस्यों ने बताया कि जैन धर्म में महामस्तकाभिषेक केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि आत्मशुद्धि और वैराग्य

का महापर्व माना जाता है। भगवान की प्रतिमा पर जलाभिषेक का अर्थ अपने भीतर के क्रोध, मान, माया और लोभ का त्याग कर आत्मा को निर्मल बनाना है। श्रद्धालु इस अवसर पर संयम, क्षमा, दया और सत्य के मार्ग पर चलने का संकल्प लेते हैं। धार्मिक मान्यता है कि श्रद्धाभाव से किया गया अभिषेक अनेक जन्मों के पापों को क्षीण कर आत्मकल्याण का मार्ग प्रशस्त करता है। निर्वाण लाडू महोत्सव भी जैन परंपरा में विशेष महत्व रखता है। भगवान के मोक्ष कल्याणक की स्मृति में अर्पित किया जाने वाला निर्वाण लाडू आत्मा की परम सिद्धि और संसार से मुक्ति का प्रतीक माना जाता है। श्रद्धालु भगवान के चरणों में निर्वाण लाडू अर्पित कर मोक्षमार्ग की प्रेरणा ग्रहण करते हैं। आयोजन को लेकर तीर्थ क्षेत्र में व्यापक तैयारियां की गई हैं। मंदिर परिसर को आकर्षक सजावट से सजाया गया है। पूजन व्यवस्था, भोजनशाला, पेयजल एवं श्रद्धालुओं के विश्राम की सुविधाओं को सुव्यवस्थित किया गया है। सभी श्रद्धालुओं के लिए निःशुल्क भोजन की व्यवस्था की गई है। साथ ही अंबाह और मुरैना से निःशुल्क बस सेवा भी उपलब्ध कराई गई है, ताकि अधिकाधिक श्रद्धालु इस पावन आयोजन में सम्मिलित हो सकें। सकल दिगंबर जैन समाज अंबाह, मुरैना एवं आसपास के क्षेत्रों में आयोजन को लेकर विशेष उत्साह बना हुआ है। समाज द्वारा देशभर के जैन बंधुओं को आमंत्रण भेजे गए हैं। आयोजन समिति ने सभी धर्मप्रेमी परिवारों से सपरिवार उपस्थित होकर धर्म लाभ, पुण्यार्जन एवं आध्यात्मिक शांति प्राप्त करने की अपील की है। आज सिंहोनिया की पावन भूमि पर श्रद्धा, भक्ति और आत्मकल्याण का यह महापर्व पूरे चंबल अंचल को धर्ममय बना देगा।

दिगम्बर जैन महासमिति राजस्थान अंचल एवं FORBAXY अमर जैन हॉस्पिटल के संयुक्त तत्वावधान में परिचयात्मक कार्यक्रम सम्पन्न

जयपुर

दिगम्बर जैन महासमिति राजस्थान अंचल एवं FORBAXY अमर जैन हॉस्पिटल, वैशाली नगर के संयुक्त तत्वावधान में बुधवार को परिचयात्मक एवं सौहार्दपूर्ण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में महासमिति एवं अस्पताल प्रशासन के पदाधिकारियों ने सहभागिता करते हुए सामाजिक एवं स्वास्थ्य संबंधी विभिन्न विषयों पर विचार-विमर्श किया।अस्पताल के असिस्टेंट मैनेजर (मार्केटिंग) आयुष जैन ने जानकारी देते हुए बताया कि इस अवसर पर अस्पताल के डायरेक्टर श्री उदयन द्रविड़, सीईओ डॉ. शेखर एन. हरव्यासी, मार्केटिंग हेड मनीष जांगिड़, एचआर विजय माथुर, डॉ. कुसुम यादव (DYMS), किरण राजावत (हेड ऑपरेशन) एवं प्रदीप शर्मा (चीफ नर्सिंग ऑफिसर) विशेष रूप से उपस्थित रहे।महासमिति की ओर से पश्चिम संभाग अध्यक्ष एवं कार्यक्रम संयोजक श्री निर्मल कुमार संघी ने बताया कि कार्यक्रम में महासमिति के अध्यक्ष श्री अनिल जैन (IPS), महामंत्री श्री महावीर बाकलीवाल, कार्याध्यक्ष डॉ. णमोकार जैन, मंत्री श्री अशोक लुहाड़िया, मंत्री श्री शांति काला सहित श्री महेंद्र छाबड़ा, श्री नरेंद्रनन सेठी, श्री राजेंद्र पापड़ीवाल, श्री गिरीश बाकलीवाल, श्री शैलेंद्र जैन, श्रीमती शशि जैन एवं

श्रीमती दीपिका जैन की गरिमामयी उपस्थिति रही।इस अवसर पर अध्यक्ष श्री अनिल जैन ने महासमिति द्वारा आयोजित धार्मिक शिक्षण शिविरों की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि शिविरों का अंचल स्तरीय समापन समारोह 21 जून को आयोजित किया जाएगा। इसके मुख्य संयोजक के रूप में श्री शांति काला को मनोनीत किया गया है। साथ ही महासमिति के आगामी मिलन कार्यक्रमों की रूपरेखा पर भी चर्चा की गई।कार्यक्रम के दौरान श्री अशोक लुहाड़िया को अंचल का कार्याध्यक्ष मनोनीत किया गया। वहीं पश्चिम संभाग मंत्री श्री महेंद्र छाबड़ा को लालकोठी स्थित जैन मंदिर में आयोजित होने वाले शिक्षण शिविर के उद्घाटन समारोह का संयोजक नियुक्त किया गया। यह उद्घाटन समारोह 17 मई, रविवार को प्रातः 8 बजे आयोजित होगा। अस्पताल के डायरेक्टर श्री उदयन द्रविड़ ने अस्पताल की सेवाओं, उपलब्धियों एवं आधुनिक स्वास्थ्य सुविधाओं की विस्तारपूर्वक जानकारी दी। अन्य चिकित्सकों एवं अधिकारियों ने भी अस्पताल की विभिन्न स्वास्थ्य सेवाओं पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के अंत में महासमिति द्वारा अस्पताल प्रशासन एवं उपस्थित अधिकारियों का माला, दुपट्टा एवं महासमिति का प्रतीक चिन्ह भेंट कर सम्मान किया गया। वहीं अस्पताल प्रशासन द्वारा भी सभी अतिथियों को हेल्थ इंश्योरेंस कार्ड एवं पर्यावरण संरक्षण के संदेश स्वरूप पौधे भेंट कर सम्मानित किया गया।

सराकोद्धारक आचार्य श्री ज्ञानसागर जी महाराज के 70वें अवतरण दिवस पर पश्चिम बंगाल में ज्ञान संस्कार शिक्षण शिविरों का शंखनाद

कंप्यूटर डिप्लोमा प्रमाण पत्रों का भी हुआ वितरण

आसनसोल. शाबाश इंडिया

सराकोद्धारक आचार्य श्री ज्ञानसागर जी महाराज के 70वें अवतरण दिवस के पावन अवसर पर आचार्य श्री ज्ञेय सागर जी महाराज, गणिनी आर्यिका श्री स्वस्तिभूषण माताजी, गणिनी आर्यिका श्री आर्षमती माताजी एवं आर्यिका श्री सुज्ञानमति माताजी के आशीर्वाद से भारतवर्षीय दिगंबर जैन सराक ट्रस्ट, दिल्ली के तत्वावधान में पश्चिम बंगाल के पुरूलिया जिले के पंचपहाड़ी, लायकडांगा, धनियाडांगा, बेड़ों एवं काशीबेडिया सहित विभिन्न क्षेत्रों में 11 मई 2026 से ज्ञान संस्कार शिक्षण शिविरों का शुभारंभ हुआ। इन शिविरों में अध्यापन के लिए वरिष्ठ एवं युवा विद्वानों के साथ कला विशेषज्ञ विदुषी महिलाएं भी अपना योगदान दे रही हैं। शिक्षण शिविरों में ज्ञान दर्पण भाग-1 एवं 2, पूजन प्रशिक्षण, मेहंदी, सिलाई, नृत्य एवं सांस्कृतिक गतिविधियों की कक्षाएं संचालित की जा रही हैं। शिविर मुख्य संयोजक मनीष विद्यार्थी सागर ने बताया कि सराकोद्धारक आचार्य श्री ज्ञानसागर जी महाराज की प्रेरणा से बंगाल, झारखंड एवं उड़ीसा क्षेत्र में पिछड़े हुए समाजबंधुओं के संरक्षण एवं उत्थान हेतु अनेक कार्य किए जा रहे हैं। वर्ष 2000 से लगातार शिक्षण शिविरों के माध्यम से बच्चों को धार्मिक एवं नैतिक शिक्षा देकर संस्कारित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति में पाश्चात्य संस्कृति का बढ़ता प्रभाव पतन का कारण बन रहा है। इसी उद्देश्य से ग्रीष्मकालीन एवं शीतकालीन संस्कार शिविरों का आयोजन निरंतर किया जाता है। शिविर निर्देशक ब्रह्मचारिणी मंजुला दीदी एवं ब्रह्मचारी मनीष भैया ने कहा कि आचार्य श्री ज्ञानसागर जी महाराज ने देशभर में ज्ञान एवं शाकाहार का शंखनाद किया। हमारा भी कर्तव्य है कि हम उनके आदर्शों का अनुसरण करें और समाज को भी उस दिशा में प्रेरित करें। भारतवर्षीय दिगंबर जैन सराक ट्रस्ट के राष्ट्रीय अध्यक्ष गजराज जी गंगवाल ने कहा कि ऐसे आयोजनों से धर्म की प्रभावना होती है और इन्हें निरंतर आयोजित किया जाना चाहिए। उन्होंने आगामी शीतकालीन शिविरों के लिए भी सहयोग का आश्वासन दिया। केंद्र कार्यकर्ता गौरांग जैन सराक ने कहा कि भविष्य के कार्यक्रमों को और बेहतर बनाने के लिए अभी से तैयारी आवश्यक है। शिविरों में थैले, रजिस्टर एवं पेन आर्यिका श्री आर्षमती माताजी की प्रेरणा से ज्ञानार्ष भक्त मंडल परिवार

द्वारा वितरित किए गए। वहीं पुरस्कार वितरण की व्यवस्था आर्यिका श्री सुज्ञानमति माताजी के आशीर्वाद से तथा मिष्ठान वितरण वर्णी विकास सभा, सागर द्वारा किया गया। आचार्य श्री की प्रेरणा से संचालित कंप्यूटर ट्रेनिंग सेंटर का कोर्स पूर्ण करने वाले छात्र-छात्राओं को प्रमाण पत्र वितरित किए गए तथा शिक्षकों का सम्मान भी किया गया। लायकडांगा में भक्तामर विधान एवं नए कुएं के निर्माण अवसर पर विशेष कार्यक्रम आयोजित हुआ। इस कुएं के पुण्यार्जक परिवार महावीर प्रसाद, आकाश कुमार, करण कुमार एवं रियांश जैन (बड़ागांव वाले), उदय ज्वेलर्स, मुरार ग्वालियर (मध्यप्रदेश) रहे। शिविरों में मुख्य रूप से पं. जयकुमार जी दुर्ग, पं. शिखरचंद जैन भिलाई, पं. राजकुमार जैन कर्द एवं विदुषी राखी जैन का विशेष सहयोग रहा। स्थानीय स्तर पर सराक ट्रस्ट अध्यक्ष पुटुक जैन सराक, गौरांग जैन सराक, रामदुलार सराक जैन, सजीव जैन एवं सुबजीत जैन सहित अनेक समाजबंधुओं ने सक्रिय सहभागिता निभाई। **-मनीष जैन विद्यार्थी**

बड़े बाबा के दर्शन हेतु तीन दिवसीय धार्मिक यात्रा दल होगा रवाना

अभिषेक एवं शांतिधारा के साथ होगी पूजा-अर्चना

जयपुर. शाबाश इंडिया

राजस्थान जैन युवा महासभा, जयपुर के तत्वावधान में शुक्रवार को तीन दिवसीय धार्मिक यात्रा दल कुण्डलपुर बड़े बाबा के दर्शन हेतु रवाना होगा। इस अवसर पर समाजबंधुओं द्वारा जयकारों एवं मंगलकामनाओं के साथ यात्रा दल को विदाई दी जाएगी। राजस्थान जैन युवा महासभा, जयपुर के प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप जैन एवं प्रदेश महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि यात्रा दल शुक्रवार सायंकाल दुर्गापुरा रेलवे स्टेशन से दयोदय एक्सप्रेस द्वारा मध्यप्रदेश के दमोह जिले स्थित दिगंबर जैन सिद्ध क्षेत्र कुण्डलपुर बड़े बाबा के लिए प्रस्थान करेगा। समाजसेवी मनोज सोगानी ''पहाड़ी वाले'' ने बताया कि यात्रा दल शनिवार प्रातः दमोह रेलवे स्टेशन पहुंचकर वहां से वाहनों द्वारा कुण्डलपुर बड़े बाबा के दरबार पहुंचेगा। वहां यात्रा दल के सदस्य पर्वत वंदना के पश्चात शुद्ध पीत वस्त्र धारण कर मंत्रोच्चार के साथ बड़े बाबा आदिनाथ भगवान की अतिशयकारी प्राचीन पद्मासन प्रतिमा के चरणों में जलाभिषेक करेंगे। विश्व में सुख, शांति, समृद्धि एवं आरोग्यता की मंगलकामना के साथ शांतिधारा की जाएगी। तत्पश्चात अष्टद्रव्य से भक्तिभावपूर्वक श्रीजी की पूजा-अर्चना संपन्न होगी। मुनि

भक्त रमेश बाकलीवाल ने बताया कि सायंकाल भक्तामर स्तोत्र दीप महाअर्चना के पश्चात संगीतमय महाआरती का आयोजन किया जाएगा। यात्रा पूर्ण होने के बाद रात्रि में श्रद्धालु पुनः दमोह रेलवे स्टेशन पहुंचकर रेलमार्ग से जयपुर के लिए रवाना होंगे। विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि यात्रा दल का रविवार दोपहर दुर्गापुरा रेलवे स्टेशन पहुंचने पर समाजबंधुओं द्वारा भव्य स्वागत किया जाएगा। यात्रा के दौरान धार्मिक भजनों की प्रस्तुतियां एवं विभिन्न मनोरंजक कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे।

-विनोद जैन कोटखावदा

जीवन में धर्म, सद्गुरु, सत्संग और सदाचार जरूरी हैं: जिनदेवी माताजी

जयपुर. शाबाश इंडिया

आचार्य रत्न बाहुबली महाराज की पट्ट शिष्या गणिनी प्रमुख आर्यिकारत्न जिनदेवी माताजी ससंघ इन दिनों आगरा रोड स्थित खानिया क्षेत्र की राणाजी की नसियां में विराजमान हैं। गुरुवार को नसियां जी में आयोजित धर्मसभा में माताजी ने अपने प्रवचन में कहा कि इस संसार में छोटी-सी सुई भी अकेले अपना कार्य पूर्ण नहीं कर सकती। जब तक उसे धागे का सहारा नहीं मिलता, तब तक वह केवल कपड़े में छेद करती है, लेकिन जैसे ही धागा उससे जुड़ जाता है, वही सुई फटे हुए वस्त्र को जोड़ने का कार्य करने लगती है। माताजी ने कहा कि ठीक इसी प्रकार मनुष्य जीवन भी है। मनुष्य के पास बुद्धि, शक्ति, धन और पद सब कुछ हो सकता है, लेकिन यदि उसके जीवन में धर्म, सद्गुरु, सत्संग और सदाचार का धागा नहीं है, तो उसका जीवन केवल उलझनों और कष्टों को बढ़ाता है। उन्होंने आगे कहा कि जब जीवन में सत्संग, भक्ति और संयम का धागा जुड़ जाता है, तब वही मनुष्य टूटे हुए रिश्तों को जोड़ता है, समाज को जोड़ता है और आत्मा को परमात्मा से जोड़ने का माध्यम बनता है। धर्मसभा का समापन जिनवाणी स्तुति के साथ हुआ। विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि प्रातः मूलनायक भगवान वासुपूज्य भगवान का अभिषेक एवं शांतिधारा संपन्न हुई। तत्पश्चात धर्मसभा के प्रारंभ में चित्र अनावरण एवं दीप प्रज्ज्वलन किया गया। श्रद्धालुओं द्वारा पूज्य माताजी का पाद प्रक्षालन कर भक्तिभाव से जिनवाणी भेंट की गई। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

– विनोद जैन कोटखावदा

जिनालय में भगवान के समक्ष भाव एवं द्रव्य पूजा करने से पुण्य की प्राप्ति होती है: आचार्य श्री वर्धमान सागर जी

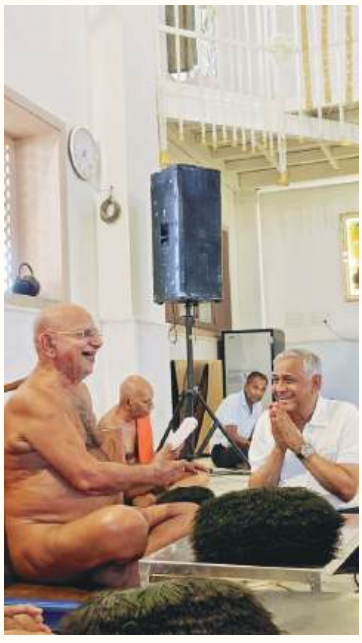

इंदौर. शाबाश इंडिया

वात्सल्य वारिधि पंचम पट्टाधीश 108 आचार्य श्री वर्धमान सागर जी महाराज के संघ सान्निध्य में चंद्रपुरी बड़ के बालाजी में मूलनायक 1008 श्री चंद्रप्रभ भगवान का विधान पुण्यार्जक समर कंठाली जैन (इंदौर) द्वारा भक्तिभावपूर्वक संपन्न कराया गया। इस अवसर पर देश के प्रसिद्ध भामाशाह एवं आरके मार्बल किशनगढ़ के श्री अशोक पाटनी ने आचार्य श्री के दर्शन कर विधान में सहभागिता की। धर्मसभा को संबोधित करते हुए आचार्य श्री वर्धमान सागर जी महाराज ने कहा कि विधान पुण्य अर्जन का प्रमुख माध्यम है। भगवान के समक्ष भक्ति भाव से द्रव्य अर्पित करना एवं श्रद्धापूर्वक पूजा-अर्चना करना आत्मकल्याण का मार्ग प्रशस्त करता है। उन्होंने कहा कि भगवान चंद्रप्रभ सम्मेद शिखर से मोक्ष को प्राप्त हुए हैं। उनकी आराधना, पूजा एवं भक्ति से अर्जित पुण्य मोक्षमार्ग में सहायक बनता है। प्रत्येक व्यक्ति को अपनी शक्ति एवं सामर्थ्य के अनुसार धार्मिक कार्यों में सहभागिता करनी चाहिए। आचार्य संघ के सान्निध्य में आचार्य श्री वर्धमान सागर जी, मुनि श्री हितेंद्र सागर जी एवं आर्यिका माताजी द्वारा मंत्रोच्चार किए गए। राजेश पंचोलिया ने बताया कि मंडल विधान में श्रीफल, फल, नैवेद्य, सूखे मेवे, पुष्प एवं विभिन्न पूजन द्रव्यों से श्रद्धापूर्वक पूजन किया गया। आचार्य श्री वर्धमान सागर जी के पूजन से पूर्व प्रथमाचार्य श्री शांतिसागर जी एवं समस्त पूर्वाचार्यों को अर्घ्य समर्पित किए गए। पूजन में समर, सावन, संगीता पंचोलिया, आरती, निर्मला दीदी, मधु, श्रीमती सुनीता शाह, प्रहस्त, स्पर्श, गज्जू भैया, लोकेश, पदम, पवन भैया सहित संघ के अनेक भैया-दीदी एवं श्रद्धालु भक्त उपस्थित रहे। सुरेश सबलावत एवं भागचंद चूड़ीवाल ने बताया कि प्रातःकालीन संस्कार पाठशाला में दिए गए उपदेश में बताया गया कि सुख, संपत्ति एवं भौतिक वैभव भगवान के दर्शन, अभिषेक, पूजन, स्वाध्याय, तीर्थयात्रा एवं गुरु भक्ति से अर्जित पुण्य के फलस्वरूप प्राप्त होते हैं। अधर्म और अनीति से अर्जित धन अंततः दुःख का कारण बनता है।

महावीर इंटरनेशनल ग्रेटर द्वारा मातृत्व परियोजना के अंतर्गत बेबी किट्स का वितरण

महावीर इंटरनेशनल ग्रेटर द्वारा मातृत्व परियोजना के अंतर्गत बेबी किट्स का वितरण, शुभम केयर हॉस्पिटल में हुआ आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

महावीर इंटरनेशनल ग्रेटर द्वारा मातृत्व परियोजना के अंतर्गत नवजात शिशुओं को संक्रमण से बचाव हेतु निःशुल्क बेबी किट्स का वितरण शुभम केयर हॉस्पिटल, इस्कॉन रोड पर किया गया। महावीर इंटरनेशनल ग्रेटर के अध्यक्ष वीर राजेश बडजात्या ने जानकारी देते हुए बताया कि संस्था द्वारा समाज सेवा के अंतर्गत मातृत्व परियोजना संचालित की जा रही है, जिसके माध्यम से नवजात शिशुओं एवं माताओं के स्वास्थ्य संरक्षण हेतु विभिन्न सेवाएं प्रदान की जाती हैं। सचिव धनु कुमार जैन ने बताया कि कार्यक्रम का शुभारंभ सामूहिक महावीर प्रार्थना के साथ हुआ। इसके पश्चात अध्यक्ष राजेश बडजात्या ने स्वागत उद्बोधन देते हुए मातृत्व परियोजना की विस्तृत जानकारी साझा की। इस अवसर पर उपस्थित सदस्यों द्वारा शुभम केयर हॉस्पिटल के डॉ. शैलेश जैन, डॉ. सपना जैन, विनोद बडजात्या एवं सुशीला बडजात्या का माला पहनाकर अभिनंदन किया गया। डॉ. शैलेश जैन ने शुभम केयर हॉस्पिटल में उपलब्ध आधुनिक सुविधाओं की जानकारी देते हुए बेबी किट्स वितरण हेतु महावीर इंटरनेशनल ग्रेटर का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के अंत में सचिव धनु कुमार जैन ने सभी अतिथियों एवं सदस्यों का धन्यवाद ज्ञापित किया। कोषाध्यक्ष सीए वीर कुमार जैन ने बताया कि कार्यक्रम में वीर विनोद बडजात्या, वीर डॉ. ज्ञानचंद जैन, वीर अशोक सोगानी, वीर महावीर सेठी, वीर मोहनलाल गंगवाल, वीर राजीव संघी, वीर महावीर पांड्या, वीरा सुशीला बडजात्या, वीरा मंजू पुरी, वीरा प्रतिभा संघी एवं वीरा सीमा बडजात्या सहित अनेक सदस्यों ने उपस्थित रहकर कार्यक्रम को सफल बनाया।

ओजस्वी ग्रुप का थीम आधारित कार्यक्रम उत्साहपूर्वक सम्पन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया। ओजस्वी ग्रुप का कार्यक्रम 14 मई 2026 को वी2 रेस्टोरेंट, मानसरोवर में उत्साह एवं उमंग के साथ सम्पन्न हुआ। ग्रुप की अध्यक्ष किरण झंझरी एवं सचिव विजया काला ने बताया कि कार्यक्रम में लगभग 70 संगिनी सदस्यों ने ''बचपन, जवानी एवं बुढ़ापा'' थीम पर आधारित आकर्षक वेशभूषा में सुंदर प्रस्तुतियां दीं। सदस्यों की रचनात्मकता और उत्साह ने कार्यक्रम को विशेष रोचक बना दिया। कार्यक्रम के दौरान थीम आधारित मनोरंजक हाउजी का आयोजन भी किया गया, जिसमें विजेताओं को आकर्षक पारितोषिक प्रदान किए गए। इस अवसर पर संयुक्त मंत्री नूपुर जैन, कोषाध्यक्ष संगीता जैन सहित अन्य सदस्यगण उपस्थित रहे। कार्यक्रम को सफल, मनोरंजक एवं यादगार बनाने में सभी सदस्यों का विशेष सहयोग रहा।

हायर सेकेंडरी स्कूल कोठी नातमाम, टोंक में छात्र सम्मान समारोह आयोजित

टोंक. शाबाश इंडिया। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय कोठी नातमाम, टोंक में प्रतिभावान एवं नव-प्रवेशित विद्यार्थियों के सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा माँ सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर सत्र 2025-26 की बोर्ड परीक्षाओं में कक्षा 12 कला, विज्ञान एवं वाणिज्य संकाय, कक्षा 10 तथा कक्षा 8 के तीन-तीन टॉपर्स सहित कुल 15 प्रतिभावान विद्यार्थियों को माला एवं मेडल पहनाकर सम्मानित किया गया। साथ ही 150 से अधिक नव-प्रवेशित विद्यार्थियों का माला एवं दुपट्टा पहनाकर स्वागत एवं सम्मान किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में महेंद्र कुमार विजय, संघ विभाग प्रचार प्रमुख उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि कृष्ण गोपाल शर्मा, अतिरिक्त जिला शिक्षा अधिकारी (माध्यमिक शिक्षा) टोंक, डॉ. हेमंत कुमार दीक्षित, प्रथम अतिरिक्त मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी टोंक, दिनेश कुमार शर्मा, जिला अध्यक्ष भारतीय शिक्षा प्रचार समिति टोंक तथा समाजसेवी रामसागर पाराशर सहित अनेक गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। मुख्य वक्ता महेंद्र कुमार विजय ने विद्यार्थियों को प्रेरणादायक उद्बोधन देते हुए शिक्षा के साथ संस्कारों के महत्व पर प्रकाश डाला। प्रधानाचार्य रामदयाल जांगिड़ ने विद्यालय की उपलब्धियों एवं विशेषताओं की जानकारी देते हुए विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया तथा सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया। उप-प्रधानाचार्य रामगोपाल विजय ने बताया कि विद्यालय में अटल लैब, आईटी लैब, ब्यूटी लैब, राष्ट्रीय आविष्कार अभियान, डीओआईटी, बाल वाटिका, एनसीसी, एनएसएस, स्काउट तथा गुणवत्तापूर्ण शिक्षण गतिविधियों के सफल संचालन के कारण विद्यालय में नव-प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों की संख्या निरंतर बढ़ रही है। कार्यक्रम का संचालन ममता जाट, शिमला शर्मा एवं बलराम गुर्जर द्वारा किया गया। अंत में राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।